BSNLEU

B S N L Employees Union

(Regd. No. 4896) M.P. Circle, BHOPAL
(The Only Recognised union in BSNL)
OFFICE:1195,Lal Kothi,Near Brij Sweets,Shahi Naka Road,Gulauatal,Garha,JABALPUR,(MP)
Phone:- 0761-2425789 Website:- www.bsnleump.org Mobile:- 94251 24499
Circle Secretary Email:srnayak68@yahoo.in Circle President
S.R.Nayak B.S.Raghuwanshi

क्रमांकः 2011/सतना/आंदोलन/ दिनांक 21-10-2011

प्रति,

श्री ए.के.दास
वरिष्ठ महा प्रबन्धक (हेडक्वार्टर)
कार्यालय मुख्य महा प्रबन्धक दूर संचार (बी एस एन एल)
भोपाल।

विषयः- उकसावे पूर्ण कार्यवाहियों के विरोध में आपत्ति दर्ज कराने तथा सतना के कर्मचारियों की छुट्टी स्वीकृत करने हेतु टी डी एम सतना को निर्देशित करने बाबद।

---------x----------

महोदय,

यह अत्यन्त ही खेद एवं चिन्ता का विषय है कि, टी डी एम सतना श्री प्रदीप सिंह की उकसावे पूर्ण कार्यवाहियों को अन्जाम देने के लिए उन्हें आपका प्रत्यक्ष वरद हस्य प्राप्त हो रहा है। यह परिस्थिति किसी भी ऐंगल से विचार करने पर, न तो कम्पनी के हित में जाती नजर आती है और न ही किसी भी प्रकार से प्रबन्धन और स्टाफ पक्ष के बीच लम्बे समय से चले आ रहे सौहार्दपूर्ण वातावरण को कायम रखने में सहायक है।

उल्लेखनीय है कि, टी डी एम सतना श्री प्रदीप सिंह द्वारा एक कर्मचारी को अनावश्यक रूप से प्रताड़ित करने के कारण सतना के कर्मचारियों में स्वतः स्फूर्त रोष भड़क उठा था। बी एस एन एल ई यू की सतना जिला इकाई ने टी डी एम महोदय से तुरन्त मुलाकात कर प्रताड़ना की कार्यवाही को रद्द करने का आग्रह किया था। किन्तु उन्होंने यूनियन के आग्रह को इस प्रकार से लिया था मानो सुना ही नहीं था। अतः इस परिस्थिति ने आग में घी डालने का ही काम किया था। यदि इसी बात को स्पष्ट शब्दों में कहा तावे तो, टी डी एम सतना ने कर्मचारियों को आन्दोलन करने के लिए उकसाया था। कहा जाता है कि, ऐसा उन्होंने इसलिए किया था क्योंकि, इसके लिए उन्हें वरिष्ठ महा प्रबन्धक (हेडक्वार्टर) का वरद हस्थ प्राप्त था।

इसलिए, मजबूर होकर बी एस एन एल ई यू की सतना इकाई ने प्रताड़ना की कार्यवाही को वापिस लेने के लिए दिनांक 12-09-2010 से धरना कार्यक्रम शुरू कर दिया था। यह धरना कार्यक्रम दिनांक 14-09-2010 को, परिमंडल कार्यालय भोपाल के हस्तक्षेप करने के बाद टी डी एम सतना और यूनियन के बीच हुई वार्ता के बाद प्रताड़ना की कार्यवाही प्रबन्धन द्वारा वापिस लेने के बाद, समाप्त हो गया था।

किन्तु यह आश्चर्यजनक है कि, टी डी एम सतना की उकसावेपूर्ण कार्यवाहियों का यहीं अंत नहीं हो गया है। इससे भी ज्यादा आश्चर्यजनक बात तो यह है कि, वे अपनी उकसावेपूर्ण कार्यवाहियों के संचालन के लिए वरिष्ठ महा प्रबन्धक (हेडक्वार्टर) को ही ढ़ाल की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसा करते हुए उन्होंने अपने अधीनस्थ अधिकारियों को आदेशित किया है कि, वरिष्ठ महा प्रबन्धक (हेडक्वार्टर) की इच्छा के अनुपालन में ऐसे दो दर्जन से अधिक कर्मचारियों को उनकी अपनी छुट्टी देने से इंकार कर दिया जावे जिन्होंने धरना कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। यह भी आदेशित किया है कि, ऐसे कर्मचारियों का धरना की अवधि का वेतन भी काट लिया जावे। यह परिस्थिति किन्हीं भी हालातों में यूनियन के द्वारा स्वीकार करने योग्य नहीं है। मेरा सोचना है कि यदि आप प्रबन्धन के वजाय यूनियन चला रहे होते तो शायद आप भी इस परिस्थिति को स्वीकार नहीं करते।